

ग्रसाध, रण

EXTRAORDINARY

भाग II---खण्ड 3-----उपखण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 87] नई विल्लो, सोमकार, फरवरी 25, 1974/जाहान 6, 1855

No. 87] NEW DELHI, MONDAY, FEBRUARY 25, 1974 PHALGUNA 6, 1895

इस भाग में भिन्न पष्ट संख्या दी जाती है जिससे कि यह असग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

MINISTRY OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT

ORDER

New Delhi, the 25th February 1974

S.O. 121(E)/15/IDRA/74.—In exercise of the powers conferred by section 15 of the Industries (Development and Regulation). Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby makes the following amendment in the Order of the Government of India in the Ministry of Industrial Development No. S.O. 551(E)/15/IDRA/73, dated the 17th October, 1973, namely:—

In the fourth paragraph of the said Order, for the words "twelve weeks", the words "thirty weeks" shall be substituted.

[No. F. 2/13/73-CUC.]

D. K. SAXENA, Jt

प्रौत्रोतिक जिलास मंत्राजय

श्रादेश

नई दिल्ली, 25 फरवरी, 1974

कां ग्रां 1:1 (ग्रं)/15/ग्राई॰ ग्रे॰ ग्रांर॰ ए॰/74.—उद्योग (वितास ग्रीर विनियमन) ग्रिधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 15 द्वारा प्रदत्त ग्रिवितयों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय संस्कार, भारत सरकार के ग्रीद्योगिक विकास मंत्रालय के ग्रादेश सं० का॰ ग्रां॰ 551 (ई)/15/ग्राई॰ डी॰ ग्रार॰ ए/73 तारीख 17 ग्रक्टूबर, 1973 में निम्नलिखित संगोधन करती है, श्रांत :—

उन्त भादेश के चतुर्थ पैरा में ''तारह मण्याह" शब्दों के लिए ''तं स सण्याह' गब्द रखें जाएंगे।

> [मं० फा० 2/13/73-सी यु मी] डी० के० सक्सेना, संयुक्त सचिव।